लख चोरासी में घणो दुख पायो नैना जुण धरोसा

लख चोरासी में घणो दुख पायो,
नैना जुण धरोसा,
अब के आय पडयो गुरू सरणे,
अरे सीर पे हाथ धरो ने गुरा सा,
मापे मेर करो सा,
अरे माप मरे करोसा
भोल्यो जिव भटक मर जावे,
नानो जीव भटक मर जावे,
अरे थोडी थोडी किरपा ने गुरा सा,
मापे मेर करो सा।bd।

पारस देख लोहार मन हरस्यो,
करे मारो किक भरोसा,
अरे काया मारी करलो सोलमी रे,
काया मारी करलो सोलमी,
अब कंचन हाथ धरो ना गुरा सा,
मापे मेर करो सा।bd।

गुरू बीन साई करे कुण जीव री,
लाख उपाई करोसा रे,
करोड उपाई करोसा,
नानो जीव ने जतने कर राखो,
भोला जीव ने जतने कर राखो,
अब दोई दोई हाथ धरोना गुरा सा,
मापे मेर करो सा।bd।

रामा नंदजी लीख रीपोटा,
दुरगा मे पस करोसा,
कव कबीर सुणो भाई सादु,
वणत कबीर सुणो भाई सादु,
मारी दुरमा मे दुर करो ने,
गुरा सा माप मेर करोसा,
मापे मेर करो सा।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

लख चोरासी में घणो दुख पायो,
नैना जुण धरोसा,
अब के आय पडयो गुरू सरणे,
अरे सीर पे हाथ धरो ने गुरा सा,
मापे मेर करो सा,
अरे माप मरे करोसा
भोल्यो जिव भटक मर जावे,
नानो जीव भटक मर जावे,
अरे थोडी थोडी किरपा ने गुरा सा,
मापे मेर करो सा।bd।

प्रेषक – गायक रूपलाल लोहार
9680208919

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com